भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में धूम-धाम से रोपाई दिवस का आयोजन किया गया

आज दिनांक 3 जुलाई 2023 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा सबजपुरा फॉर्म में धान रोपाई दिवस धूम-धाम से मनाया गया | धान की रोपाई खरीफ के मौसम में एक महत्वपूर्ण क्रियाकलाप है | किसान इस दिन को विभिन्न राज्यों में पर्व की तरह मनाते हैं | संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास ने इस अवसर पर किसान भाइयों एवं बहनों एवं खेती कार्य से जुड़े हर लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और अन्न के बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं की जा सकती है | हमारे मजदूर भाई-बहन धान की रोपनी में कठिन परिश्रम करते हैं, जिसके कारण पूरे देश को खाना नसीब होता है | इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य उनके इस कठिन कार्य को पहचान दिलाना है | सदियों से किसान काफी मेहनत कर रहे हैं तथा पूरा संस्थान उनके साथ है | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटारी, पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार ने कहा कि हम वैज्ञानिकगण किसानों के साथ हैं और हमें मिलकर पूरे विश्व की खाद्य समस्या को समाप्त करना है | इस तरह के कार्यक्रमों से किसान भाइयों को भी बल मिलेगा | इस अवसर पर CSISA के वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. पुनिया ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि धान पर विभिन्न अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं, जो भविष्य में जनोपयोगी साबित होंगे | इस समारोह में कॉर्नेल विश्वविद्यालय के डा. लोरा कैरी ने भी भाग लिया |

कार्यक्रम में माननीय अतिथियों द्वारा भी धान रोपाई की गई, जिससे वहां मौजूद किसान भाई एवं मजदूर काफी खुश और रोमांचित दिखे | कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा आसपास के किसानों सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया | डॉ. राकेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ |